

प्रतिध्वनि the Echo

An Online Journal of Humanities & Social Science

Published by: Dept. of Bengali

Karimganj College, Karimganj, Assam, India

Website: www.thecho.in

Dr Madhuchanda Chakrabarty (Purkayastha)

Bangalore

Email: - Madhuchanda.chakrabarty@gmail.com

चाह कर भी

चाह कर भी
कह नहीं पाते हैं दिल की बात
हो जाते हैं गुमसुम
दर्द भरे, अजनबी हालात

अनजाने वो हो जाते हैं
जो हैं बरसों जान-पहचाने
क्यों करते हैं ऐसा
बोलो हम क्या जाने

रिश्ते टूट चुके हैं पर
अभी भी हैं निभाते हुए
अपने थे कभी ये
पर अब पराए हुए

दोनों की मंजिल नहीं है एक
तो चलना क्यों साथ-साथ
हमराही की गुंजाइश कहाँ है
अब तो तन्हा है हालात।

तेरे साथ

तेरे साथ चलती रही है मेरी यादें हर कही
अब साथी मेरे अलग रास्ते की गुंजाइश ही नहीं

डुडर करके कुड दे तुडुडुडु तनुडर
ऐसर हु सकतर नहुडु
डुडुडु तुड करहु न डुडुडु
डुडुडु ऐसुड कुडुडु खुवरहुश डुडु नहुडु

डुडर करने डुडु अडर देरुडु कुडु डुडुडु
तु कुडर हुआ?
लु अब कह देते हुडु तुडुडुडु
सुन लु करर

कलुडुडु डुडुनुदडुडु डुडुडुडु डुडु डुडु
तुडुडुडु डुडु करते-करते डुडु
डुडर डुडुडु, डुडुडु नर सडुडु
तुडुडुडु रलशुतर तुडुडुडुडु नहुडुडु।